an>

Title: Need to improve the condition of persons working in salt pans in the country.

श्रीमती जयश्रीबेन पटेल (मेहसाणा) : माननीय अध्यक्षा जी, जैसे कि हम सब जानते हैं कि नमक का हमारे जीवन की खाद्य वस्तुओं में महत्वपूर्ण स्थान है। नमक के उत्पादन में अगरियाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। लेकिन आज उनका जीवन बद से बदतर हो रहा है। ये लोग रण विस्तार की सीमा पर वर्ष में 8 महीने नमक उत्पादन में जुड़े रहते हैं। परिवार का गुज़ार चलाने के लिए वे लोग मानसून के बाद नमक उत्पादन में गरीब परिवार सह जुट जाते हैं।

एक संशोधन के मुताबिक इसमें 80 प्रतिशत बिना जमीनदारी, 70 प्रतिशत बीपीएल से है तथा 90 प्रतिशत गांव में झुग्गी-झोपड़ियों में रहते हैं। ...(व्यवधान) 90 प्रतिशत मनी माफिया के ऋणदार हैं। ...(व्यवधान) उनकी व्यक्तिगत आय 2000 रुपए से कम है। ये लोग अनेक रोगों के शिकार बनते हैं जैसे आंख, कान, टीबी, एनमिक, कुपोषण, दुर्बल शरीर, 98 प्रतिशत को हाथ-पैर व चमड़ी के रोग होते हैं। ...(व्यवधान)

देश में 70 प्रतिशत नमक उत्पादन गुजरात में होता है और बाकी का अन्य प्रदेशों में होता है। कच्छ के इलाके में 20 प्रतिशत नमक उत्पादन होता है तथा नमक का निर्यात होता है और देश को विदेशी आय भी मिलती है। ...(व्यवधान) नमक उत्पादकों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए गुजरात और देश भर में नागरिक सहूलियतें जैसे पक्की सड़कें, आवास, अभ्यारण में कायमी, बसने के लिए लम्बे समय के भाड़े-पट्टे पर जमीन की व्यवस्था और नमक का मिनिमम प्राइज, खरीददारी की प्रक्रिया, उत्पादन में बीमा कवच, ऋण माफी, मोबाइल शॉप, पीने का शुद्ध पानी आदि दिया जाना चाहिए। ...(व्यवधान)

मेरी सरकार से विनती है कि नमक उत्पादन करने वाले अगरियाओं के जीवन को बेहतर बनाने के लिए एक अलग से सत्ता मंडल का निर्माण किया जाए जिससे उनका जीवन बेहतर हो सके। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष :

डॉ. किरिट पी. सोलंकी,

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

श्री चन्द्र प्रकाश जोशी,

श्री रोड़मल नागर,

श्री सुधीर गुप्ता और

कुँवर पुÂष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्रीमती जयश्रीबेन पटेल द्वारा उठाए गए विÂषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

â€¦(व्यवधान)